



एक दिवसीय वेबिनार ड्रैगन फ्रूट की खेती में किसानों की समस्याएं

01 सितंबर, 2020 सुबह 10.00 बजे



~ संयोजक ~ डॉ. गोरक्ष वाकचौरे ~ सह-संयोजक ~ डॉ. कमलेश कुमार मीणा || डॉ. महेश कुमार

Registration Link: https://forms.gle/qXZDPevg6rCru5FG6

आयोजक

भाकृअनुप- राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्था बारामती, पुणे-413115 कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

www.niam.res.in



एक दिवसीय वेबिनार ड्रैगन फ्रूट की खेती में किसानों की समस्याएं



विषय

खेती विहीन बंजर एवं कृषि संसांधनों की कमी वाले सूखा ग्रसित क्षेत्रों में आज किसान ड्रैगन फ्रूट की खेती सफलता पूर्वक कर रहे हैं। लेकिन वर्तमान परिपेक्ष में किसान ड्रैगन फ्रूट की खेती में कुछ समस्याओं का सामना कर रहे हैं. इस फसल की उत्पादकता बढ़ाने एवं लाभप्रद बनाने के लिए इन समस्याओं का तत्काल समाधान अति आवशक है. इसलिए इन समस्याओं को विस्तार से समझने तथा इनका त्वरित समाधान ढूंढने के लिये नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एबायोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट, मालेगाँव, द्वारा एक एकदिवसीय किसान - वैज्ञानिक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

लक्ष्य

- 🗸 ड्रैगन फ्रूट की खेती की वर्तमान स्थिति जनना।
- 🗸 ड्रैगन फ्रूट की खेती संभन्धित 🏻 किसानों की समस्या और उनके विचार जानना।
- 🗸 ड्रैगन फ्रूट फसल के लिए आवश्यक अनुसंधान एवं नीति के मुद्दों की सूची बनाना।

प्रतिभागी

ड्रैगन फ्रूट किसान, वैज्ञानिक, उद्यमी तथा छात्र

कार्यसूची

10.00 AM	Tarries Ottom	डॉ. गोरक्षा वाकचौरे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर-राअस्ट्रेप्रसं
10.00 AWI	स्वागत भाषण	•
10.05 AM	शुरूवाती टिप्पणियां	डॉ हिमांशु पाठक, निदेशक, आईसीएआर-राअस्ट्रेप्रसं
10.20 AM	महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में किसान की आय दोगुना करने के लिए ड्रैगन की खेती	डॉ मधुकर वी पोतदार, कंसिल्टंग एग्रोनोमिस्ट, कमिशंयल फ़ार्मिंग, महाराष्ट्रा एवं पूर्व कृषिविज्ञानी, इकरीसेट, हैदराबाद
10.35AM	भावी स्मार्ट फल : ड्रैगन फल की खेती और उद्यम विविधीकरण की कार्य योजना	डॉ जी करुणाकरण, प्रधान वैज्ञानिक, प्रभारी विभागाध्यक्ष, भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बंगलुरु
10.50 AM	शुष्क भूमि क्षेत्रों के सीमांत किसानों के लिए एक आशा: ड्रैगन फ्रूट	डॉ श्रीकांत एस कुलकर्णी, बाग़बानी विशेषज्ञ, आइकरीप-एरीड ज़ोन फ्रूट्स, उद्यानिकी विभाग, एमपीकेवी, राहुरी
11.05 AM	ड्रैगन फ्रूट: शुष्क भूमि वाले क्षेत्रों में अंगूर की खेती का एक विकल्प	श्री राजेंद्र देशमुख, प्रगतिशील ड्रैगन फल किसान, बरसी, सोलापुर
11.15 AM	ड्रेगन फ्रूट की खेती में अड़चनें और अवसर	श्री अजिंक्य तावरे, प्रगतिशील ड्रैगन फल किसान, बारामती, पुणे
11.25 AM	किसानों के विचार	ड्रैगन फल: किसान की नजर में
12.00 PM	वैज्ञानिकों की प्रतिक्रिया और अनुसंधान योग्य मुद्दे	वैज्ञानिक
12.15 PM	समापन टिप्पणी	डॉ हिमांशु पाठक, निदेशक, आईसीएआर-राअस्ट्रेप्रसं
12.30 PM	धन्यवाद ज्ञापन	डॉ कमलेश मीना , वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईसीएआर-राअस्ट्रेप्रसं





एक दिवसीय वेबिनार

ड्रैगन फ्रूट की खेती में किसानों की समस्याएं



वक्ता का परिचय



डॉ हिमांशु पाठक

निदेशक

भाकृअनुप -नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एबायोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट, मालेगाँव, बारामती -413 115 http://www.niam.res.in



डॉ मधुकर वी पोतदार

डॉ मधुकर वी पोतदार ड्रैगन फ्रूट, खजूर, चंदन एवं औषधीय और सुगंधित पौधे की खेती के लिए सलाहकार कृषि वैज्ञानिक के रूप में जाने जाते हैं। इन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, वैंकूवर, बीसी, कनाडा से पीएचडी (प्लांट साइंस) की डिग्री हासिल की है। डॉ मधुकर वी पोतदार ने एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ एग्रोनॉमी, वीएनएमकेवी, परभणी और एग्रोनोमिस्ट, इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईसीआरआईएसएटी), हैदराबाद में अपना सहरानीय योगदन दिया। निजी संगठनों में प्रमुख कृषिविद् और निदेशकों की विभिन्न क्षमताओं के रूप में अपनानी सहरानीय भूमिका अदा की।



डॉ गणेश करुणाकरण

डॉ गणेश करुणाकरण वर्तमान मे सेंट्रल हॉर्टिकल्चर एक्सपेरिमेंट स्टेशन, हिरहल्ली, भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बंगलुरु मे प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, के पद पर कार्यरत है। डॉ करुणाकरण 20 साल से ज्यादा का बागवानी, विशेष रूप से विदेशी फलों की फसलों में अनुभव रखते है तथा पिछले 8-10 सालों से ड्रैगन फ्रूट, कटहल और बटर फ्रूट पर काम कर रहे हैं। उन्होंने ड्रैगन फ्रूट की खेती के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया है और फसल को विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों तक पहुचाने मे अपना अहम योगदान दीया है।



डॉ श्रीकांत एस कुलकर्णी

डॉ श्रीकांत एस कुलकर्णी एक प्रखर बागवानी वैज्ञानिक,के रूप में जाने जाते है। डॉ कुलकर्णी वर्तमान मे एरीड ज़ोन फ्रूट्स के एआईसीआरपी, बागवानी विभाग, एमपीकेवी, अहमदनगर (एमएस) में कार्यरत रहे हैं। उन्होंने ड्रैगन फ्रूट की खेती और अमरूद में उच्च घनत्व रोपण, आम का कायाकल्प, अंगूर में चंदवा प्रबंधन और भिंडी, ककड़ी आदि



श्री राजेंद्र देशमुख

श्री राजेंद्र देशमुख, महाराष्ट्र के शुष्क क्षेत्रों मे बागवानी फसलों की मिश्रित खेती एवं वैज्ञानिक तरीके से ड्रैगन फ्रूट की खेती शुरू करने वाले प्रगतिशील किसानो की पंक्ति मे शीर्ष स्थान पर आते है। उन्होंने 2012 में अपने गांव बरशी, जिला सोलापुर में ड्रैगन फ्रूट की खेती की शुरुआत की। वर्तमान में उन्होंने पुरे भारत के कई किसानों को रोपण सामग्री और ड्रैगन फलों की खेती की बारीकियों के बारे मे मार्गदर्शन किया है। श्री देशमुख ड्रैगन फ्रूट की खेती की बारीकियों को समझने हेतु विश्व के ड्रैगन फ्रूट उत्पादक देश वियतनाम, ऑस्ट्रेलिया और इजरायल का दौरा भी कर चुके हैं।



श्री अजिंक्य तावरे

श्री अजिंक्य तावरे प्रगतिशील कृषक परिवार से तालुक रखते है. इन्होंने आज से करीब 12 साल पहले अपने गांव में गन्ने की फसल के विकल्प के रूप में ड्रैगन फ़ूट की खेती की शुरुआत की थी। वर्तमान में गन्ने की तुलना में ड्रैगन फ़ूट्स की खेती से 3 गुना अधिक की कमाई पा रहे हैं। रोपण सामग्री की आपूर्ति और अन्य किसानों को ड्रैगन फल खेती स्थापित करने में मदद कर रहे है। श्री अजिंक्य ने राज्य स्तरीय प्रदर्शनियों के माध्यम से ड्रैगन फ़ूट की खेती सम्बंधित तकनीकियों का प्रदर्शन करते रहते है। ड्रैगन फलों की खेती और विपणन ज्ञानर्जन करने के लिए थाईलैंड, इंडोनेशिया और यूरोप का जैसे देशो का दौरा कर चुके है।



में विकासात्मक विकास के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।